ये अव्यक्त इशारे

दुआयें दो और दुआयें लो

12-11-2023

जिसको दिल से जितनी दुआयें मिलती हैं, वह दिल की दुआयें जमा होती हैं तो पुरुषार्थ सहज हो जाता है, इसके लिए सेवा का पुण्य सदा बढ़ाते रहना। सभी को सुख देते रहना। सुख देने की दुआयें बहुत मिलती हैं। पुरुषार्थ में वह दुआयें एड हो जाती हैं।

Give blessings and receive blessings

However many blessings you receive from the hearts of others, when these are accumulated, your effort becomes easy. Therefore, constantly continue to increase the charity that you receive from service. Continue to give everyone happiness. You receive many blessings by giving happiness. These blessings are added in your marks for effort.